

बैंगन



प्ररोह व फलन छेदक कीट

इस कीट की सूंड़ी पौधे के प्ररोह व फल को हानि पहुंचाती है। ग्रसित प्ररोह मुरझाकर सूख जाते हैं। फलों में सूड़ियां टेढ़ी-मेढ़ी सुरंगें बनाती हैं। फल का ग्रसित भाग काला पड़ जाता है तथा खाने लायक नहीं रहता। ग्रसित पौधों में फल देरी से लगता है या लगते ही नहीं।

प्रबंधन

- ग्रसित प्ररोहों व फलों को निकाल कर भूमि में दबा दें।
- फल छेदक की निगरानी के लिए 5 फेरोमोन ट्रैप प्रति हेक्टेयर लगाएं।
- नीम बीज अर्क (प्रतिशत) या बी.टी. 1 ग्राम / लीटर या स्पिनोसेड 45 एससी. 1 मि.ली. 4 लीटर का फूल आने से पहले इस्तेमाल करें।
- रेटून फसल न लें क्योंकि इसमें फल छेदक का प्रकोप अधिक होता है।